Dental Treatment information GUIDE

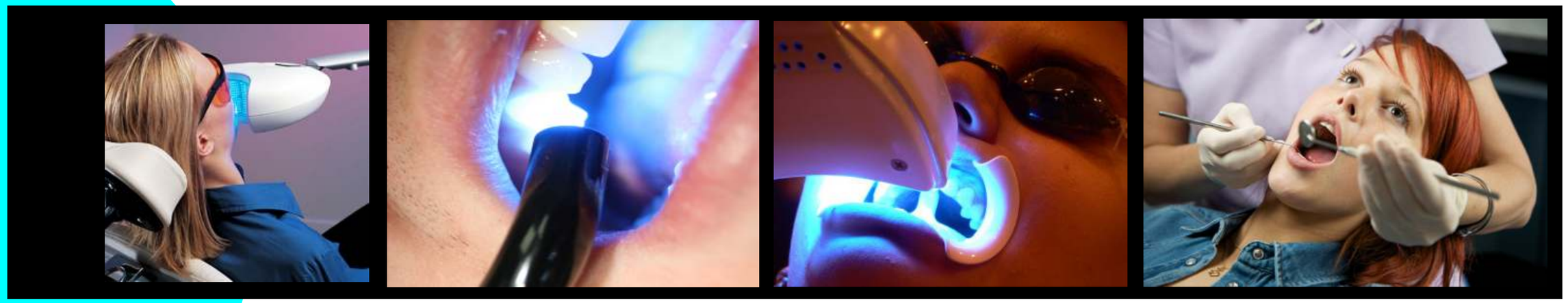

दंत चिकित्सा के बारे म एकें जानकारी गाइड

YOUR CLINIC DETAILS
WILL BE PRINTED HERE

Clinic name & Details

दंत चिकित्सा के बारे म एकें जानकारी गाइड

अपने दंत चिकित्सक को इन विवरणों को कृपया सूचित करें

- अगर आपको कोई बीमारी है।
- यदि आप कोई दवा ले रहे हैं।
- अगर आपको किसी दवाई से एलर्जी है।
- गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को कृपया डाक्टर को यह बताएं ।

Rs.2490/-

Designed & produced by

SMART DOC®
www.smartdocposters.com
E-mail:info@smartdocposters.com
Ph:+91 9846244680

Studio /Office
SMART DOC.,MGN-45 -D ,RANNI LANE ,PEROORKADA P.O. , TRIVANDRUM-695005,KERALA STATE

Disclaimer note:
This edition is meant solely for spreading dental treatment awareness among the public.The views expressed do not necessarily reflect those of the publisher. No responsibility is assumed by the publisher for any injury or damage to persons or property as a matter of products liability,negligence or otherwise ,or from any use of operation of any methods,products instruction or ideas contained in the material herin. Due to the rapid advances in Medical & Dental science,we recommend that the independent verification of diagnosis and drug dosages should be made.

Issued in interest of Public Dental Awareness

नष्ट दाँत के भाग में नकली दाँत न रखने से होने वाला प्रश्न

१ भोजन चबाने की विषमता

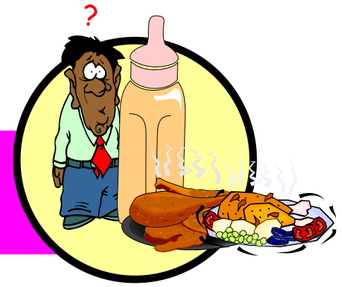

२ स्वस्थ शेषित दाँतें - बिना दाँत वाले भाग की ओर चलता है। इससे स्वस्थ दाँतों के बीच में अन्तार होता है।

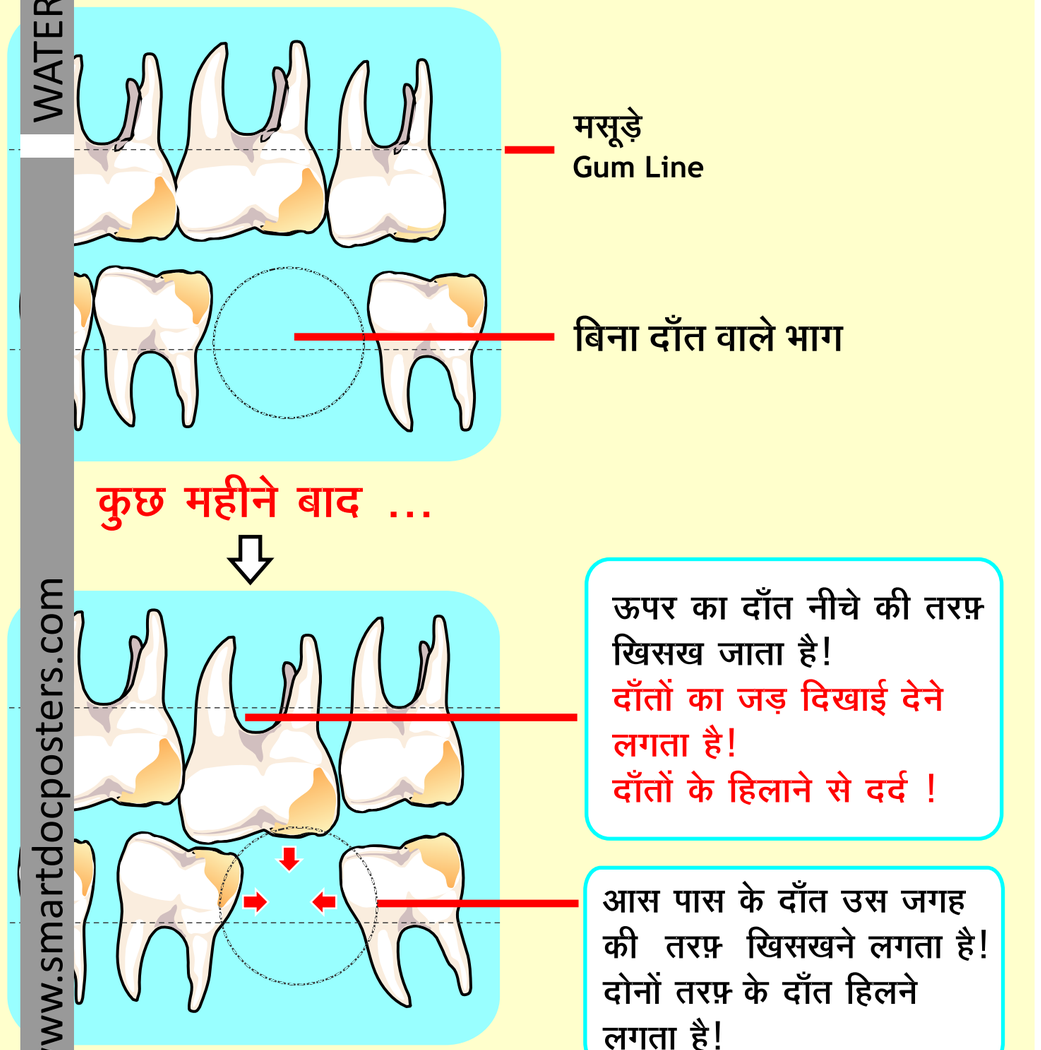

३ गालों में दुबलापन आता है।

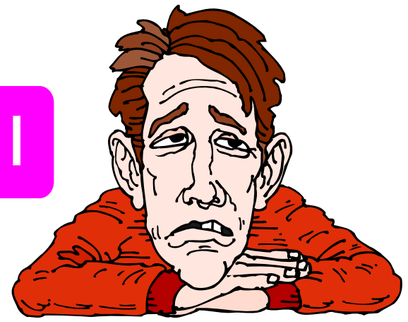

४ उच्चारण में जो स्पष्टता है उसका नष्ट होता है।

दाँत निकाल कर, तीन हफ्ते के बाद
स भाग में नकली दान्त रख सकता है।

WATER MARK
www.smartdocposters.com
WATER MARK

सेरामिक दाँतों

इनका गुणगण

१ अधिक ढढता, अधिक काल-तक रखनेवाला

२ असली दान्तें जैसे दिखाता
(थोडा भी नकलापन न दिखाता)

इस कारण से आक्रिलिक दं से पोरसलेइन दाँतों का प्रचार और ि होता है।

सिरेमिक डेंटल क्राउन कैसे तय होता है?

खोए हुए दाँत क्षेत्र के ठीक बगल के दो दाँत एक शंक्वाकार आकृति में बने जाते हैं।

इन टेप किए गए दांतों पर सिरेमिक डेंटल क्राउन तय कीया जाता है।

इलाज के पहले

इलाज के बाद

WATER MARK
www.smartdocposters.com
WATER MARK

मेटल मुक्त सेरामिक दाँतों

प्रकृतिक दाँतों के बदल में सबसे उचित !!!

मेटल मुक्त सेरामिक क्रौन

सेरामिक क्रौन के अंदर मेटल

धातु मुक्त सिरेमिक कृत्रिम दांत खोए हुए प्राकृतिक सामने वाले दांतों के लिए सबसे अच्छा प्रतिस्थापन है।

डेन्टल इमप्लान्ट

Dental Implant

ज़ड़ से **लग्ने** वाले डेन्टल इमप्लान्ट नकली दाँत,सब से आधुनिक चिकित्सा रीति है। एक छोटी सी चीर - फाड से **टाइटेनियम** स्क्रू **ज़ड़** में **लगते है ।**

इनमे मसूडों में दाँत लगाने के हिस्से में छेटी खूँटी सी

उपर की ओर रहती है।

कुछ दिन के बाद इन खुँटियों में नकली दाँत **लगते है ।**

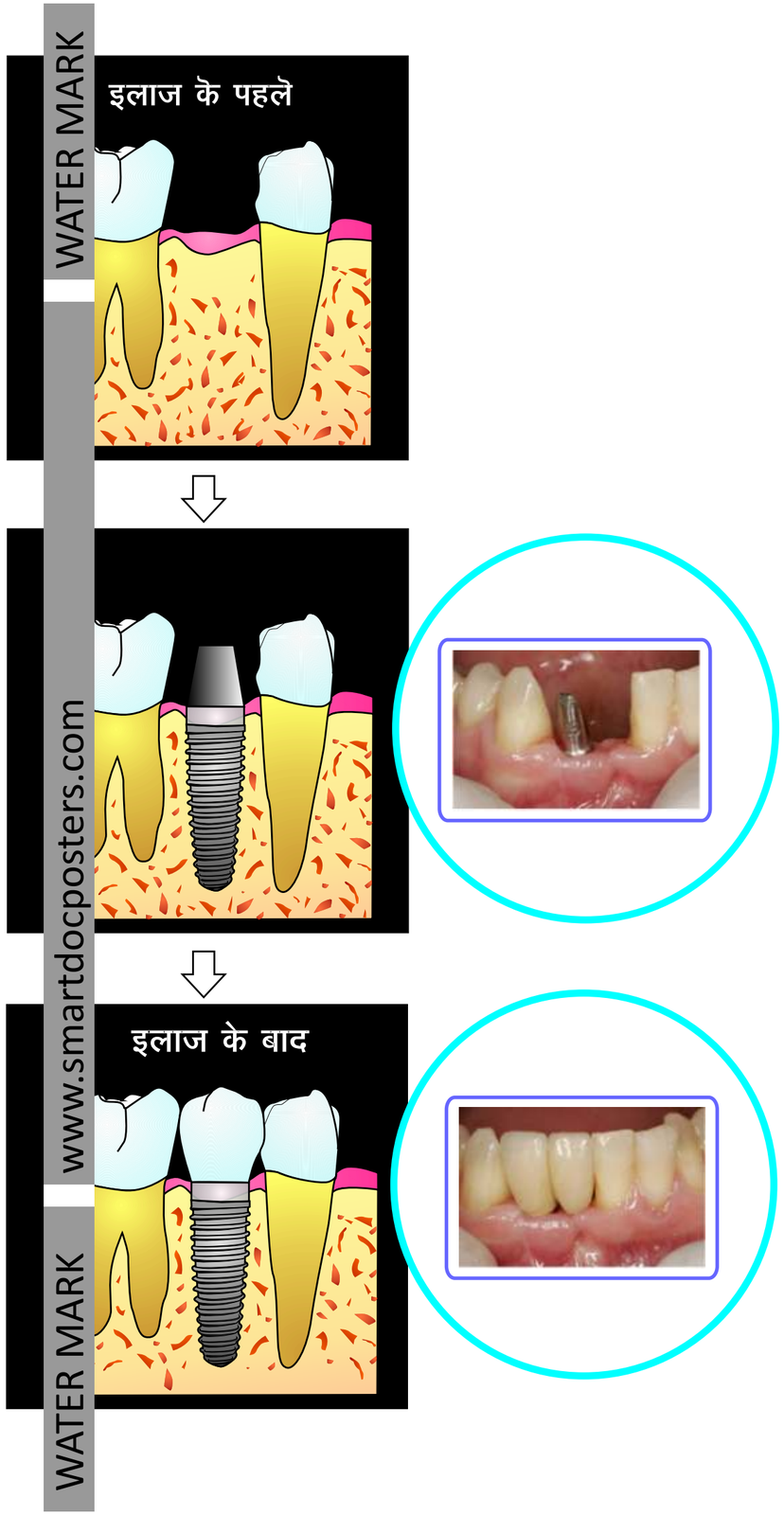

ऐक्रेलिक कृत्रिम दांत

ऊपरी और निचले ऐक्रेलिक
डेन्चर कृत्रिम दांत

आंशिक कृत्रिम दांत

इन ऐक्रेलिक कृत्रिम दांत को आमतौर पर उपयोग किया जाता है, लेकिन इसकी आदत डालना थोड़ा मुश्किल होता है।

मुलायम् फ्लेक्सिबल दान्तें

WATER MARK
www.smartdocposters.com
WATER MARK

१ ... बहुत मुलायम् एंव, खाते समय, ...ूडों के आकार के अनुसार बदल जाता है

२ ...कत न होने के कारण मसूडों में घाँव कम ...ता हैं

३ ... करना पर, खाना चबाने पर यह नहीं ...फलता

४ ...चे गिरने पर, नही टूटता

५ ...में कोइ क्लिप नहीं

७ ...में घाँव होने की सम्भावना कम होती है।

दाँत सीधा करने की चिकित्सा ओर्थोडोंटिक इलाज

ओर्थोडोंटिक इलाज करके दांतों को सुधारने की आवश्यकता

दांतों की गलत व्यवस्था , दांत की स्थिति या कंकाल पैटर्न या नरम ऊतक पैटर्न में बदलाव के कारण हो सकती है।

दांतों की इसी गलत व्यवस्था से इन समस्याएं हो सकती हैं

१	२	३	४	५	६	७
बदसूरत चेहरा।	चेहरा बदसूरत होने की कारण,यह मनोवैज्ञानिक गड़बड़ी या बीमारी में विकसित हो सकता है।	इस स्थिति में उचित मौखिक स्वच्छता करणा मुश्किल है। तो दंत क्षय होने की संभावना है।	मसूड़ों की बीमारियों का कारण।	प्रक्लाइन दांतों खेलते समय या दुर्घटना के दौरान हमेशा फ्रैक्चर होने की संभावना है।	भोजन को ठीक से नहीं चबा सकते, बोलने में कठिनाई और सांस लेने में तकलीफ होती है।	इससे टेम्परो मैडीबुलर जोड़ो में दर्द और समस्याएं होती हैं।

१

इलाज के पहले

इलाज के बाद

२

इलाज के पहले

इलाज के बाद

३

इलाज के पहले

इलाज के बाद

४

इलाज के पहले

इलाज के बाद

WATER MARK
www.smartdocposters.com
WATER MARK

दाँत सीधा रने की चिकित्सा रीतियाँ

दाँत ार लगा कर सीधा करने की चिकित्सा। रोगी इसे हटा नहीं सकते।

इस करने वाले को अपनी इच्छा के अनुसार गाने हटाने की चिकित्सा रीति

ईन्वीजः अलेन
ओर्थोडोंटिक इलाज

मयोफन्जःणल
ओर्थोडोंटिक इलाज

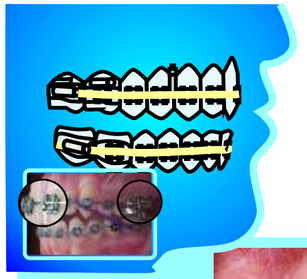

ओरतडोणिक इलाज

ये कुछ दंत मामले हैं जिन्हें अहर्थोडह्न्टिक उपचार द्वारा दांतों के सुधार की आवश्यकता है

Crowding of teeth

दांतों की भीड

Open bite

काटते समय ऊपरी दांत सामने के निचे दांतों को नहीं मिलते

Protruded teeth

ऊपरी दांत काटते समय निचे दांतों की तुलना में अधिक उभरे हुए होते हैं।

Cross bite

काटते समय ऊपरी दांतों निचे दांत के अंदर आ जाते हैं।

Under bite

ऊपरी दांत काटते समय निचे दांत के पीछे जाती है।

Missing teeth

जन्म से कुछ क्षेत्र जहां दांत नहीं होते ।

Deep bite

काटते समय ऊपरी वाले दांत अतिरिक्त रूप से नीचे के दांतों को ओवरलैप करते हैं

Thumb sucking habit

अंगूठा चूसने की आदत से

द -क्रमीकरण चिकित्सा के बारे में . . .

की क्रमीकरण करने का ठीक सम

ात साल के उम्र से दन्त-क्रमीकरण का पहचान और इलाज हो सकते है।

क्या ये इलाज दर्द दायक है ?

ज़रा सा दर्द होता है और ये दवाईयों से मिट सकता है।

फिक्सड दन्त-क्रमीकरण चिकित्स से जीभ और होठों पर चीह लग सकता है।

ाँतों को निकालना पडता है ?

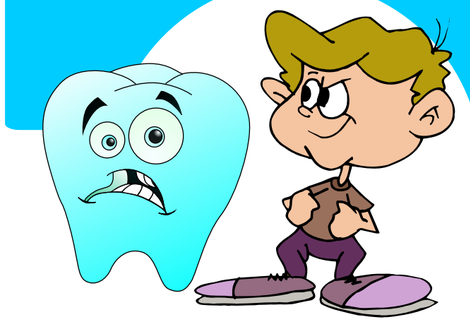

 से रहने वाले दाँतें हो तो तों का निकालना ज़रूरी है।

इलाज का समय

इलाज का समय हर एक केस पर निर्भर करता है।

ज़्यादातर **8** से **18** महीने लगता है।

WATER MARK
www.smartdocposters.com
WATER MARK

दन्त-क्षय (दाँतों की सड़न)

दन्त-क्षय कैसे होता है :

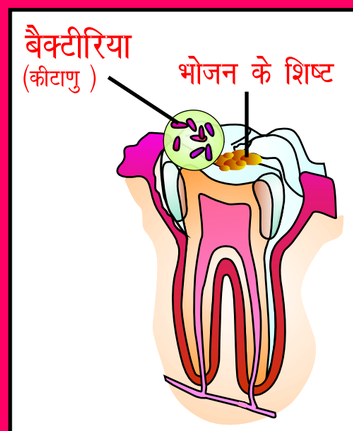

मुँह में रहने वाले बैक्टीरिया भोजन कचरे (जो दांतों पर बने रहते) के साथ मिश्रित होता हैं।

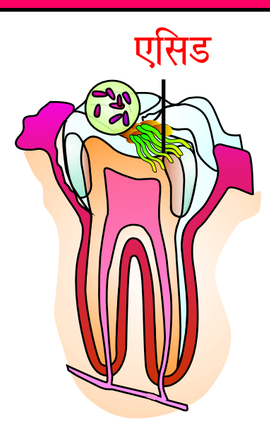

इस क्रिय एसिड (अम्ल) न होता है।

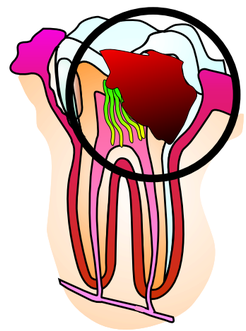

ये एसिड दांत को नष्ट कर देता है और दंत क्षय का कारण बनता है।

यदि इलाज नहीं किया जाता है तो, दंत क्षय की खतर क प्रगति

दाँतों में कोटल (काले गड्ढे) :

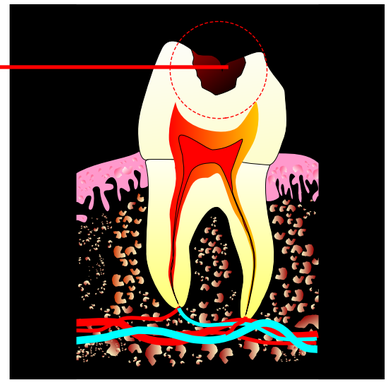

इस समय बैक्टीरिया और भोजन के शिष्ट मिलकर दाँतो की संरचना को नुकसान पहुँचाते है और उनमे कोटल (काले गड्ढे) का कारण बनते है। इन कोटरों को डेंटल फिलिंग से बंद करवा के ठीक करवा लेना चाहिए।

दन्त-क्षय (दांतो की सड़न) का दांत की नस (पल्प) तक पहुँचना :

असहनीय दर्द क भव होना। इस समय दाँतों को रुट कैनाल चिकि ड़ चिकित्सा/ दाँतों की नस का इलाज) से ही ब ना सकता है। रुट कैनाल के बाद दांतो पर गवाना उत्तम रहता है।

दन्त-क्षय (दांतो की सड़न) का हड्डी तक पहुँचना :

इसमें इन्फेक्शन दांतो को पूरी तरह नष्ट करते हुए हड्डी में फैल जाता है। इस परिस्थिति में दांत निकलवाना ही उत्तम विकल्प है।

WATER MARK
www.smartdocposters.com
WATER MARK

दांतो को उखाड़ना , कहना आसान है लेकिन अगर उसका संरक्षण कर के उ बचाया जा सके तो

रुट कैनाल चिकित्सा

(जड़ चिकित्सा / दांतो की नस का इलाज)

रुट कैनाल चिकित्सा कैसे की जाती है

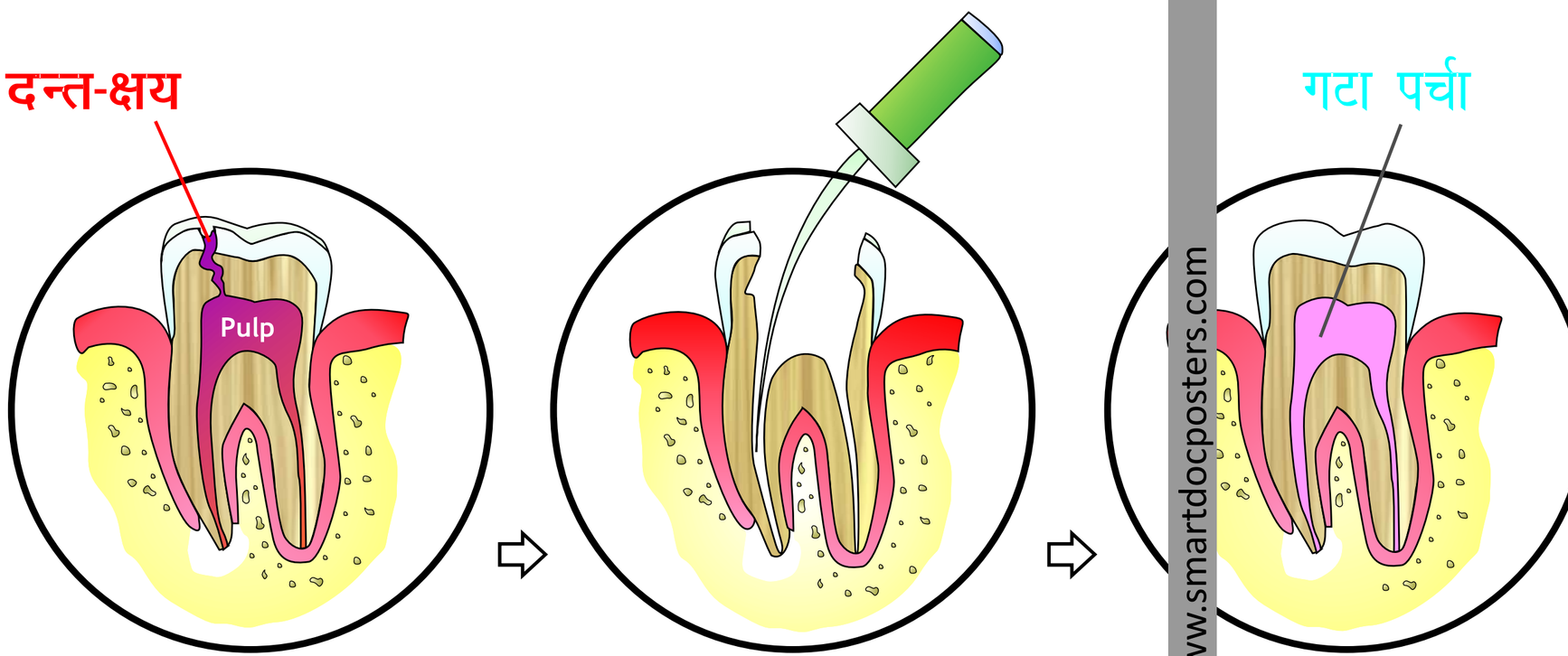

जब दंत क्षय दांत के पल्प तक फैलता है, तो रूट कैनाल चिकित्सा किया जाता है। पहला काम संक्रमित पल्प को हटाने के लिए है।

संक्रमित पल्प को एंडोडहन्टिक मशीन से हटा कर रूट कैनाल को साफ कर दिया जाता है।

हटा ए पल्प के स्थान पर, गटा पच Gutta percha) सामग्री भरी जात । और दांत को सील कर दिया जाता है।

इसके बाद दांत को कैप कर के इलाज की पूर्ति होती है

WATER MARK
www.smartdocposters.com
WATER MARK

दांतो के रंग के कम्पोजिट फिलिंग

पूराने अमालगम फिलिंगस को हटाकर बदले में उनके स्थान पर दाँतो जैसे रंग वाली कोबासिट फिलिंग

चाँदी की फिलिंगों (अमालगम फिलिंग)(Amalgam fillings)

पूरानी फिलिंग हटाकर कांबासिट रिति की उपयोग से दाँतों की कोटरियाँ बंद करने के बाद...

दांत और फिलिंग में कोई फ़र्क नहीं

टूटे दाँत

आगे के दाँतें टूटे हुय तो
उसे क सिट रीति के उपयोग से ठीक कर सक्ता हैं

टू आगे के दाँतें

कोंबसिट रीति के उपयोग से टूटे दाँतों को ठीक करने के बाद

दांत और फिलिंग में कोई फ़र्क नहीं

WATER MARK
www.smartdocposters.com
WATER MARK

दांतो के रंग के कम्पोजिट फिलिंग

दाँतों के बीच में अन्तर

दाँतो जैसे रंग वाली कोबासिट फिलिंग के उपयोग से ठीक कर सकता हैं

इलाज के पहले

इलाज के बाद

इलाज के पहले

इलाज के बाद

दांत और फिलिंग में कोई फ़र्क नहीं

दाँतों कि से सेंटिविटी (sensitivity) का एक कारण ...

इनेमल का धर्शण

अगर ठीक त से इलाज न करें तो दाँत नष्ट हो सकता है !

उसे दांतो के रंग के कम्पोजिट फिलिंग से ठीक कर सकता हैं

इलाज के पहले

इलाज के बाद

इलाज के पहले

इलाज के बाद

दांत और फिलिंग में कोई फ़र्क नहीं

WATER MARK www.smartdocposters.com WATER MARK

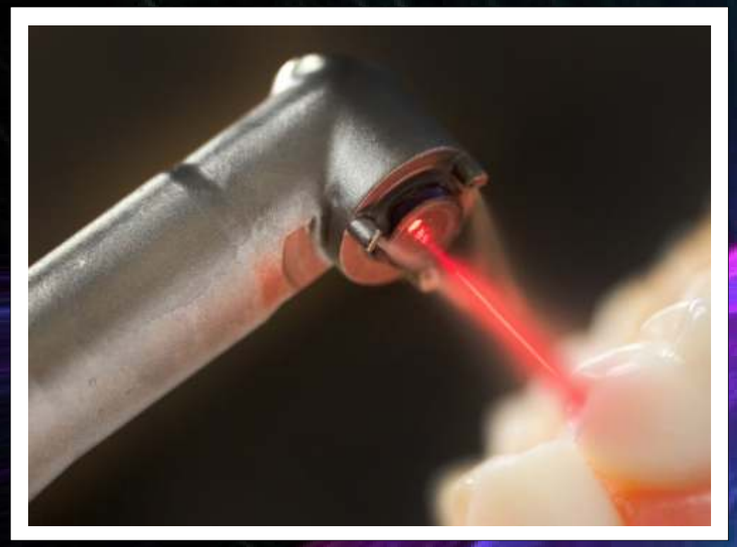

दंत चिकित्सा लेज़र से

लेजर का उपयोग करते हैं इन दंत चिकित्सा प्रक्रियाओं के लिए।

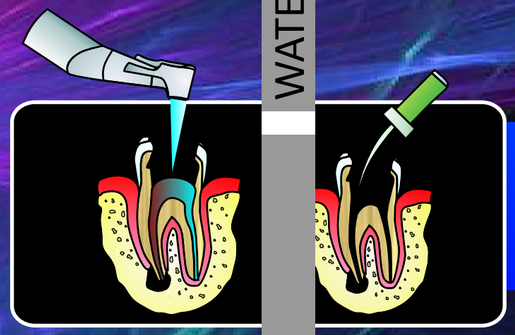

दंत क्षय को हटाने और रूट कैनाल चिकित्सा करने के लिए।

दांतों की ब्लीचिंग

मसूड़ों की सर्जरी करने के लिए।

मुंह में अवांछित लगाव नरम ऊतकों को हटाने के लिए।

लेजर दंत चिकित्सा के फायदे

- दंत चिकित्सा प्रक्रियाओं में कम दर्द होता है, इसलिए संवेदनाहारी इंजेक्शन की आवश्यकता नहीं होती।
- डेंटल ड्रिलिंग मशीन से रोगियों में भय बढ़ जाती है। लेजर का उपयोग करके इससे कम कर सकते हैं।
- लेज़र चिकित्सा प्रक्रियाओं में रक्तस्राव और सूजन कम होती है।

WATER MARK www.smartdocposters.com WATER MARK

दांत निकालने से पहले कृपया इन बातों पर ध्यान दें।

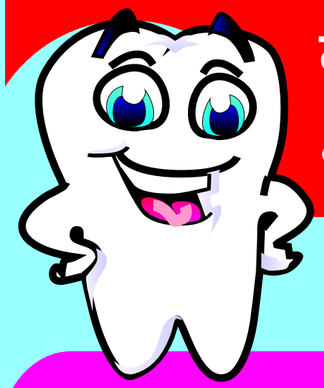

दांत निकालने से पहले अपने दंत चिकित्सक को ये जरूर बताएं ...

यदि किसी दवा से प्रत्यूरजता (अलर्जी) हो	दमा (आस्थमा) हो	
बी.पी कम या ज़्यादा होने की सब्यता हो	हदय की बीमारी हो	डायबिटीज (मधूमेंह) हो
अपस्मार (मिरगी)	एडस	हेपटाईटस
रक्त की कमी		

१ यदि आप किसी भी तरह का ईलाज कर रहे हैं या कोई दवा खा रहे हैं, तो कृपया अपने डाक्टर को बताएं।

२ यदि आपको यह स्थिति है, की बहुत से रक्त एक छोटे से घाव से भी निकलते हैं, तो इसे डाक्टर को जरूर बताएं।

३ अगर डाक्टर ने आपको दांत निकालने से पहले कोई दवा खाने के लिए कहा है, तो सुनिश्चित करें कि आपने इसे खा लिया है।

४ गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को दांत निकालने से पहले, कृपया डाक्टर को बता दें।

५ दांत निकालने से पहले खूब खाना खाएं

दांत निकलवाने के बाद ध्यान रखिए

WATER MARK

१. दांत नि... की जगह पर रूई र... र से दबाये रखे। ... से खून निकलना ... जाता है। 45 मिनट ... बाद रूई को निकाल दे ... 4 घंटो तक बाहर ... नहीं।

२. बाहर से बर्फ की सिकाई करे। इस से सूजन कम करने में मदद मिलती है और खून का बहाव भी कम होता है।

३. खेलकूद और व्यायाम दांत निकलवाने के १३ घण्टे बाद तक न करे

... सख्त, गरम ... र चिपकने ... ा खाना न ... ये ।

... ट्रॉ का ... स्तेमाल न ... रे।

५. ठंडा और मुलायम (आसानी से चबा सकने वाला) भोजन ले।

६. दांत निकलवाने के 24 घंटे बाद गुनगुने नमक के पानी से अथवा कुल्ला करने की दवाई से हलके प्रेशर से कुल्ला करे.

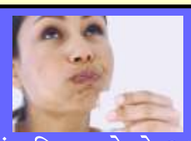

७. सिगरेट ... ाब अथवा तम्बाकू ... स्तेमाल न

८. डाक्टर द्वारा दी गयी दवाईओं का सेवन सही समय पर और ध्यान से करें।

९. दांत निकलवाने की जगह पर अगर कोई सिलाई हो तो उसे सही समय पर डाक्टर से निकलवाना ज़रूरी है।

www.smartdocposters.com

डाक्टर से ... र्क करने की अवस्थाएँ

१. दांत निक... ा के बाद पहले से भी अधिक दर्द हो तो

२. अत्यधिक ... का बहाव (खून का बंद न होना)

३. दवाई लेने ... खुजली, सूजन अथवा आँखों का लाल होना (एलर्जिक रिएक्शन)

WATER MARK

दांत इम्पाक्शण

वह स्थिति जिसमें दांत का अधिकतम भाग जबड़े की हड्डी में लगा होता है।

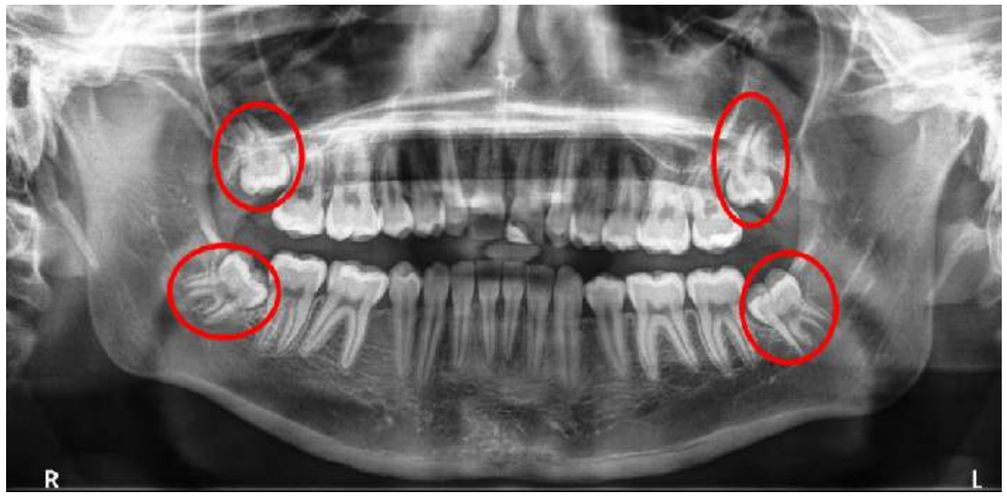

इस प्रकार के दांतों को एक सामान्य प्रक्रिया के रूप में नहीं हटाया जा सकता है। इसे हटाने प्रयास और हटाने के बाद बहुत देखभाल की आवश्यकता होती है।

दांत इम्पाक्शण अलग-अलग स्थितियां

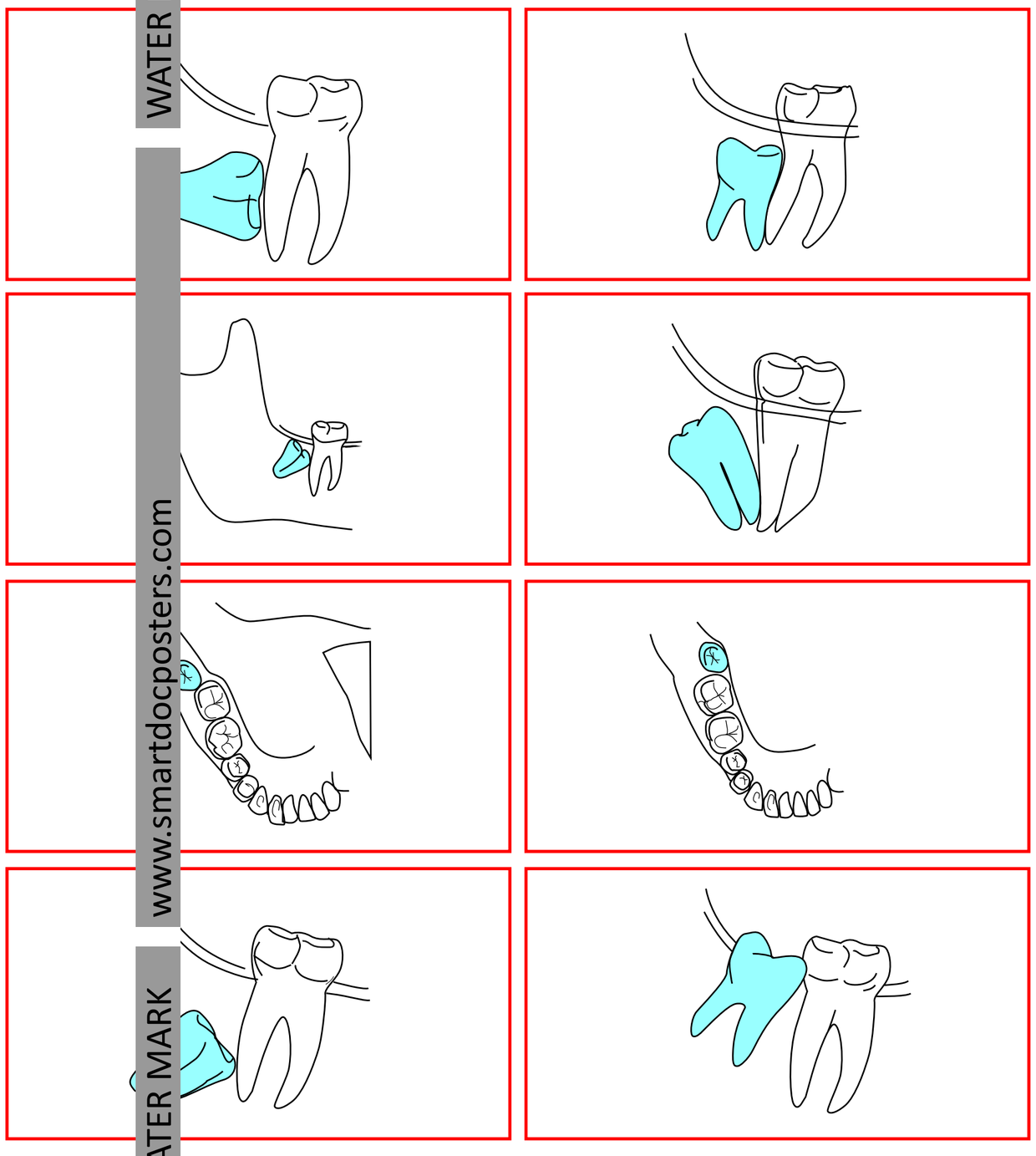

WATER MARK
www.smartdocposters.com
WATER MARK

मसूड़े से खून आते हो?

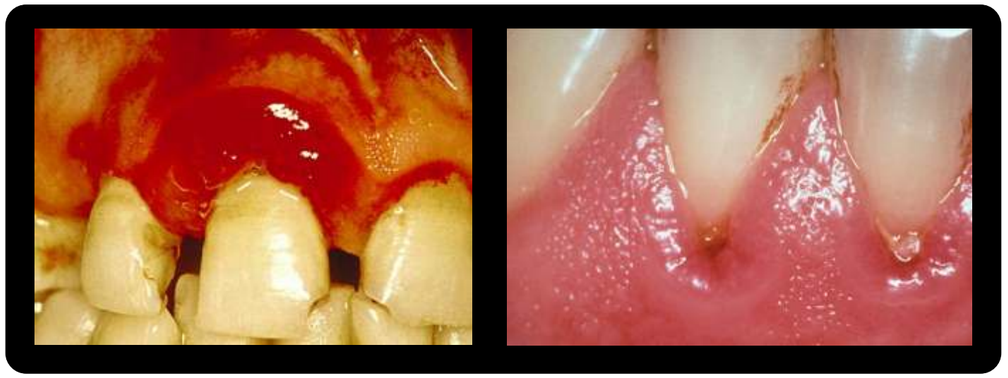

अगर आपके मसूड़ों से खून बह रहा है तो

आपके शरीर के अंगों पर बैक्टीरिया का हमला हो सकता है

यदि इलाज तेजी से नहीं किया है तो इसका परिणाम इस स्थिति में हो सकता है

हृदय रोग	पेट की बीमारी	फेफड़ों की बीमारी	मधुमेह	पैंक्रियाज कैंसर।

कृपया अपने दंत चिकित्सक को तुरंत मिलिये

इल नहीं होने पर मसूड़ों की बीमारी इस तरह दिखता है

- मसूड़ों ल रंग की सूजन।
- ब्रश व मय खून आता है।
- इससे में बदबू आती है।
- दर्द न ता ।

मसूड़े लाल रंग की सूजन

इस अ ा में जबड़े की हड्डी न ो जाती है। दांत ढीले ा ते हैं और उन्हें हटाने जरूरत होती है।

ढीले दांत

मसूड़ों के रोग का बढ़ाव हर एक वक्त पर की चिकित्सा

- दांतों की अल्ट्रासोनिक सफाई करनी चाहिए।
- दवाओं को सही तरीके से लें।
- ब्रश और फ्लास करना।

मसूड़ों की फ्लैप सर्जरी करके इलाज किया जा सकता है

WATER MARK
www.smartdocposters.com
WATER MARK

मसूड़ों की फ्लैप सर्जरी

मसूड़ों की बीमारी

कैलकुलस और टार्टर अल्ट्रा सोनिक मशीन से आमतौर पर दन्त चिकित्सक द्वारा साफ किये जाते है।

मसूड़ों की गंभीर बीमारी

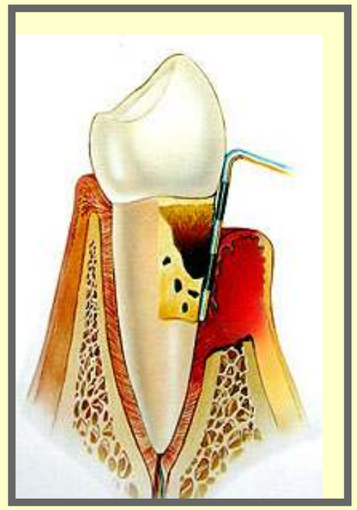

गम फ्लैप सर्जरी की जाती है अगर मसूड़ों की बीमारी गंभीर हो तो ।

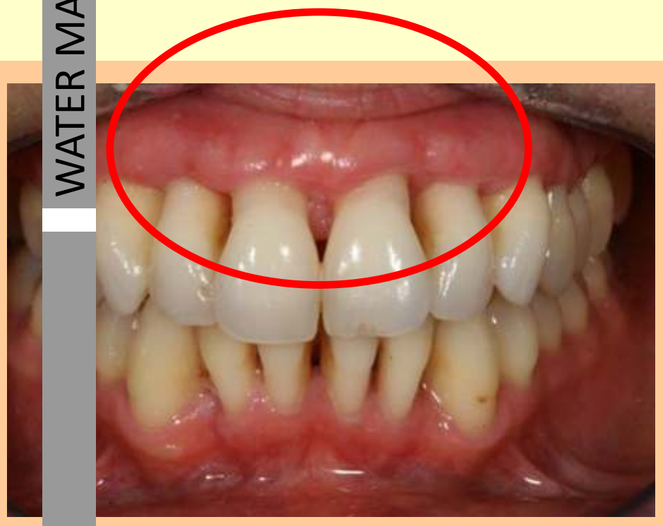

इलाज के पहले

इलाज के बाद

WATER MARK www.smartdocposters.com WATER MARK

मसूड़ों की बीमारी

मसूड़ों की बीमारी से दांत को निकालने की जरूरत होता है

इसे कैसे रोकें ?

१

- दिन [illegible] बार ब्रश अवश्य करें
- सोने [illegible]हले ब्रश करना न भूलें
- अप[illegible]श हर २ महीने में बदले

२

- हर दिन दांतो को फ्लहस करने से आपके दांत मजबूत और तंदरुस्त रहते है।

३

- मुलायम ब्रश से अपने मसूड़ों की मालिश करें

४

- अप[illegible]त चिकित्सक द्वारा अनु[illegible]त माउथ वहश का उप[illegible]करें

५

- साल में एक बार अपने दांतो की सफाई अल्ट्रा सोनिक मशीन से करवाइए।

६

- ६ म्हीने में एक बार अपने दन्त चिकित्सक से चेकअप के लिए अवश्य मिलिए

WATER MARK
www.smartdocposters.com
WATER MARK

सांसों की बदबू को हटाने केलिए कुछ तरी

1

दिन में २ बार ब्रश करने से (सुबह एवं रात) आपके दाँत साफ,स्वस्थ और तंदरुस्त रहते हैं।

2

जीभ को भी ब्रश से साफ करें। इससे सारे बैक्टीरिया निकल जाते है साँस से दुर्गन्ध नहीं आती।

3

खाने के बाद दाँतों के बीच में जो खाना रह जाता है और जो ब्रश करने के बाद भी नहीं निकलता है,
वो निकलता है डेंटल फ्लॉसिंग से

4

अपने दंत चिकित्सक द्वारा अनुशंसित **उचित माउ वहश** का उपयोग करें

5

दंत क्षय सांसों की बदबू का एक मुख्य कारण है।इसका तुरंत इलाज कराएं

6

मुंह का सूखना सांसे बदबू का कारण बन है। खूब पानी पिए।

7 डेन्चर सफाई की गोलियों का उपयोग करके अपने डेन्चर को साफ़ करें।

डेन्चर सफाई की गोलियों

8

तंबाकू, सिगरेट और शराब का उपयोग न करें।

9

कैलकुलस और टार्टर

कैलकुलस और टार्टर अल्ट्रा सोनिक मशीन से आमतौर पर दन्त चिकित्सक द्वारा साफ किये जाते है। साल में एक बार अपने दांतो की अल्ट्रा सोनिक सफाई करवाइए।

10

छः महीने में एक बार दन्त चिकित्सक से चेकअ के लिए अवश्य मिलिए।

मसूड़ों की बीमारी, उपवास, मासिक धर्म की शुरुआत,
भी सांसों की बदबू का कारण बन सकती है।

WATER MARK www.smartdocposters.com WATER MARK

हर ६ महीने में एक बार अपने दांतो की जाँच ज़रूर करवायें

ब्रश करने का सही तरीका

१. मुलायम ब्रश और हलके हाथों से आगे और पीछे ब्रश करना शुरू करें

२. ऊपर के दांत नीचे की तरफ और नीचे के दांत ऊपर की तरफ ब्रश करे

३. दांतो के चबाने वाले ग पर आगे और पीछे तरफ ब्रश करें

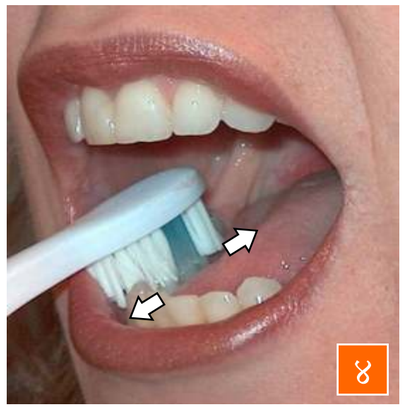

४. दांतो के अंदरूनी भाग को साफ करने के लिए ब्रश को सीधे पकड़ कर ऊपर नीचे सफाई करें

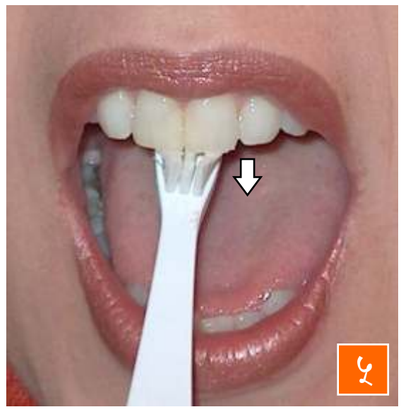

५. आखिर में जीभ को भी ब्रश साफ करें। इससे स बैक्टीरिया निकल जाते है और साँस से दुर्गन्ध नहीं आ

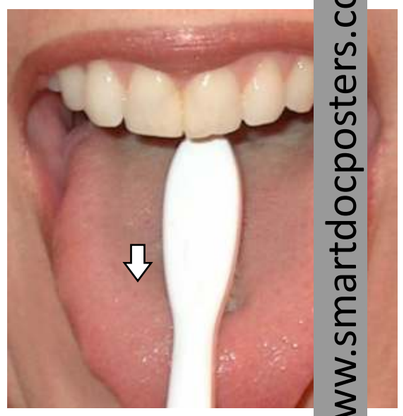

खाने के बाद दाँत बीच में जो खाना रह जाता है और जो ब्रश करने के बाद भी नहीं लता है,

वो निकलता

डेंटल फ्लॉ से

डें ल फ्लॉसिंग

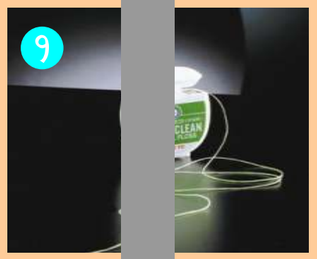

सही डेंट लॉस चुनें

निर्देशानुसार उंगलियों में बाँध ले

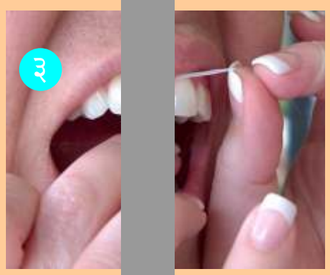

पर और नीचे के दांत फ्लॉस करे के दाँतों को फ्लॉस करना न भूले

हर दिन दांतो फ्लॉस करने से आपके दांत मजबूत और तंदरुस्त रहते है।

WATER MARK
www.smartdocposters.com
WATER MARK

माउथ वाश
का उपयोग करें

Mouth Washes

१ माउथ वाश दांतों की सड़न और मसूड़ों की बीमारी से अतिरिक्त सुरक्षा देता है।

२ माउथ वाश कैलकुलस और टार्टर (कितनी भी अच्छी तरह खुद से दांतो की सफाई करने पर भी न निकलने वाले पदार्थ) को कम करता है जिससे मसूड़ों की बीमारी होने की संभावना भी कम हो जाती है।

३ माउथ वाश के इस्तेमाल से ों की सेनसिटिविडि कम हो जाती

४ कुछ माउथ वाश ऐसे होते है दांतों में लगाए जाने पर बैक्टीरिया ैर कैलकुलस को रंग देते हैं, अ अल्ट्रा सोनिक उपकरण से उसे हट को आसान बनाता है

ब्रश करने के बाद दिन में दो बार आधे मिनट के लिए माउथ वाश छोड़ दें और इसे थूक दें।

माउथ वाश के इस्तेमाल के तुरंत बाद तुरंत पानी न पिएं।

सिस्फ माउथ वाश इस्तेमाल करने से दांत स्वस्थ नहीं होगी । आपको ब्रश और फ्लहसिंग करना भी चाहिए।

अपने दंत चिकित्सक द्वारा अनुशंसित उथ वाश का उपयोग करें

WATER MARK www.smartdocposters.com WATER MARK

दाँतों की सफाई

अल्ट्रा सोनिक उपकरण से दाँतों की सफाई करने की प्रक्रिया को स्केलिंग कहते हैं

- कैलकुलस और टार्टर
  (कितनी भी अच्छी तरह खुद से दांतो की सफाई करने पर भी न निकलने वाले पदार्थ) मसूड़े और दांतो की समस्याओं का कारण बनता हैं।

- इस प्रकार होने वाले कैलकुलस को सफाई करके दूर न करे तो छोटी आयु में ही दांतो को निकलवाना पड़ सकता है।

- कैलकुलस और टार्टर अल्ट्रा सोनिक मशीन से आमतौर पर दन्त चिकित्सक द्वारा साफ किये जाते है।

- सफाई से कभी भी दांतो को कोई नुकसान नहीं होता है। यह गलत धारणा है की सफाई करने से दांत कमजोर होते है।

कैलकुलस और टार्टर

अल्ट्रा सोनिक उपकरण

इलाज के पहले

इलाज के बाद

दांतो की सफाई करवाने के बाद ध्यान रहे की :

१ धूम्रपान, पान, गुटखा, तम्बाकू का सेवन बिल्कुल न करे। ये सारी बुरी आदतें बिल्कुल छोड़ दें।

२ सफाई के बाद हो सकता है की आपको दांतों में झनझनाहट महसूस हो (ठंडा गरम से होने वाली सेंसिटिविटी).यह कुछ दिनों में अपने आप ठीक हो जाएगी।

३ डाक्टर के निर्देशानुसार अपनी सभी दवायें ठीक समय से ध्यान से ले।

४ छः महीने में एक बार अपने दन्त चिकित्सक से चेकअप के लिए अवश्य मिलिए और साल में एक बार अपने दांतो की सफाई करवाइए।

WATER MARK www.smartdocposters.com WATER MARK

बच्चों की दन्त सुरक्षा

बच्चों केलिए कुछ

प्तिरोध दन्त चिकित्या रीतियाँ

१ पीट - फिषर, सीलन्टें के उपयोग से दाँतों में खोखला न आने की इलाज।

ट - फिषर, सीलन्टें

२ स्प्स मेईन्टनर के उपयोग से स्थिर दाँतों को यथास्थान पालने की इलाज।

स्प्स मेईन्टनर

३ अलड्रा सोनिक क्लीनिंग मशीन से दाँतों की सफाई करना।

४ ठीक तरह से दाँतों की सफाई बच्चें को सिखाना।

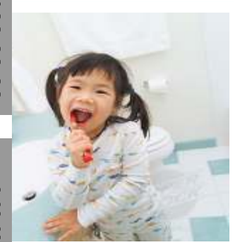

WATER MARK www.smartdocposters.com WATER MARK

पिट् एण्ड फिषर
सीलन्ट

कई बांर दाँतों की उपरी सतह की बनावट कुछ एसी होती है जिसमें खाना चिपक जाता है। इसके कारण दाँतों में सडन लगने की संभावना कई गुण: बट़ जाती है।

इससे बचंने के लिए पिट् एण्ड फिषर सीलन्ट का इसतमाल किया जाता है।

यह न केवल दाँतों की सतह को आसानी से साफ रहने योग्य बनाता है बलकि इसमें मौजूद फ्लोंराइड दाँतों को मजबूंत कर उनकी सडन प्तिरोधकता भी करता हैं।

पिट् फिषर सीलन्टें

स्पेस मेंटेनर

दूध के दाँत समय से पहले खराब हो जाने से पेरमानटे दाँत सही तरहसे नही आते। बाद में जिसे ठिक करने केलिए ओथौडन्टिक इलाज की आवश्यकता पड़ती है।

ईससे बचने केलिए स्पेस मेंटेनर लगाया जाता है।

एक्स-रे में मोलार दाँत दिखाई पड़ रहा है,ईस वस्था में स्पेस मेंटेनर लगाना ज़रुरी होता है

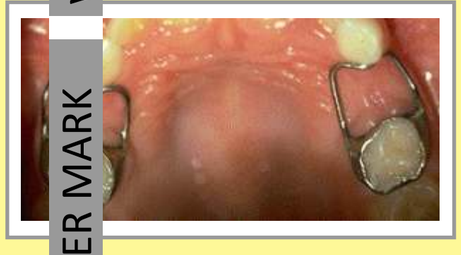

WATER MARK
www.smartdocposters.com
WATER MARK

बच्चों में देखी जाने वाली बुरी आदतों की रोकथाम

अंगूठा चूसने
और
नाखून काटने

अंगूठा चूसने की आदत के कारण दांत बुरी तरह से जुड़ जाते हैं।

इन उपकरणों का उपयोग बच्चों में अंगूठा चूसने और नाखून काटने की आदत को रोकने के लिए किया जाता है।

होंठों को काटना
या चबाना

होंठ काटने की आदत के कारण होंठ में चोट लगती है।

लिप बम्पर नामक इस उपकरण का उपयोग बच्चों में होंठ काटने की आदत को रोकने के लिए किया जाता है।

मुंह से सांस लेना

मुंह से सांस लेने की आदत के कारण, ऊपरी दांत अधिक से अधिक सामने की तरफ आते हैं।

बच्चों में मुंह से सांस लेने की आदत को रोकने के लिए उपकरण।

जीभ से जोर लगाना

जीभ जोरदार आदत के कारण, काटने के दौरान ऊपरी दांतों और निचले दांतों के बीच एक खाई बन जाती है। काटते समय सामने के दाँत संपर्क में नहीं आते हैं।

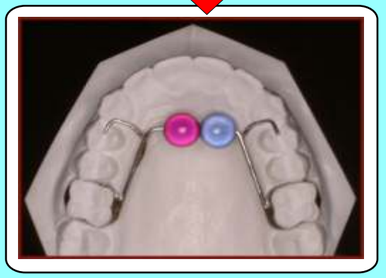

बच्चों में जीभ की डालने आदत से रोकने के लिए उपकरण।

इन आदतों को रोकने के लिए ...

WATER MARK
www.smartdocposters.com
WATER MARK

दांतों की ब्लीचिंग

WATER MARK

Dental Bleaching

ट्रे ब्लीचिंग

Tray Bleaching

ब्लीचिंग जेल को नरम ट्रे पर लगाया जाता है।

दांतों को प्रभावी ढंग से सफेद करने के लिए जेल के साथ ट्रे को कुछ समय के लिए दांतों पर रखा जाता है।

www.smartdocposters.com

ब्लीचिंग ... अधिक तेजी से

लेजर ब्लीचिंग

जेल ट्रे ब्लीचिंग से बहुत तेज तकनीक है लेजर ब्लीचिंग।

Laser Bleaching

WATER MARK

दांतों की मुखावरण

सामने के दांतों की बनावट में सुधार करने के लिए दांतों की सतह पर दांतों के रंग के खोल जैसी चीजें तय की जाती हैं

ये चीजें दांत की सतह पर तय की जाती हैं जो उनके रंग, आकार, और लंबाई को बदल सकती हैं।

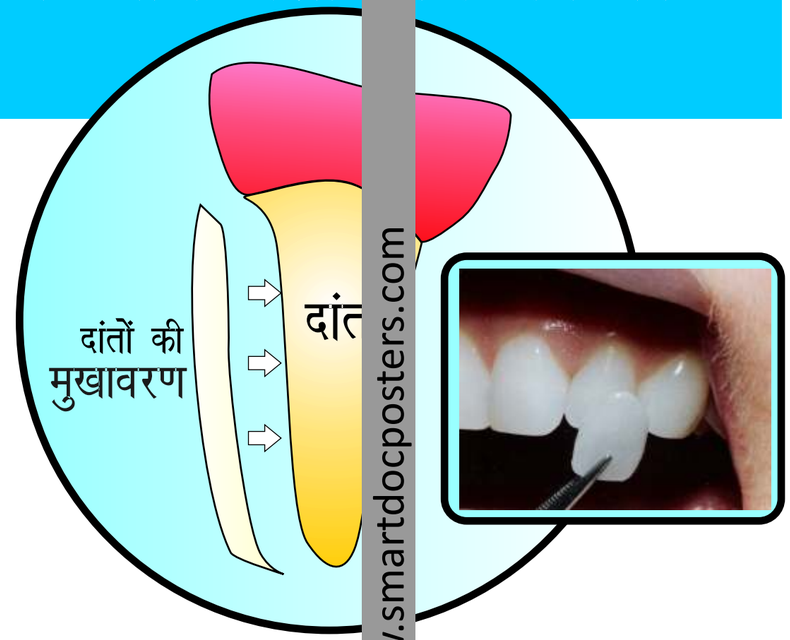

इनका उपयोग किया जाता हैं ...

- दांत पर दाग
- दांतों के बीच गैप
- टूटा हुआ दांत
- टेढ़े दांत

Veneers

इमेज के पहले

इमेज के बाद

WATER MARK
www.smartdocposters.com
WATER MARK
www.smartdocposters.com
WATER MARK

दांत - क्रोस सेक्शन

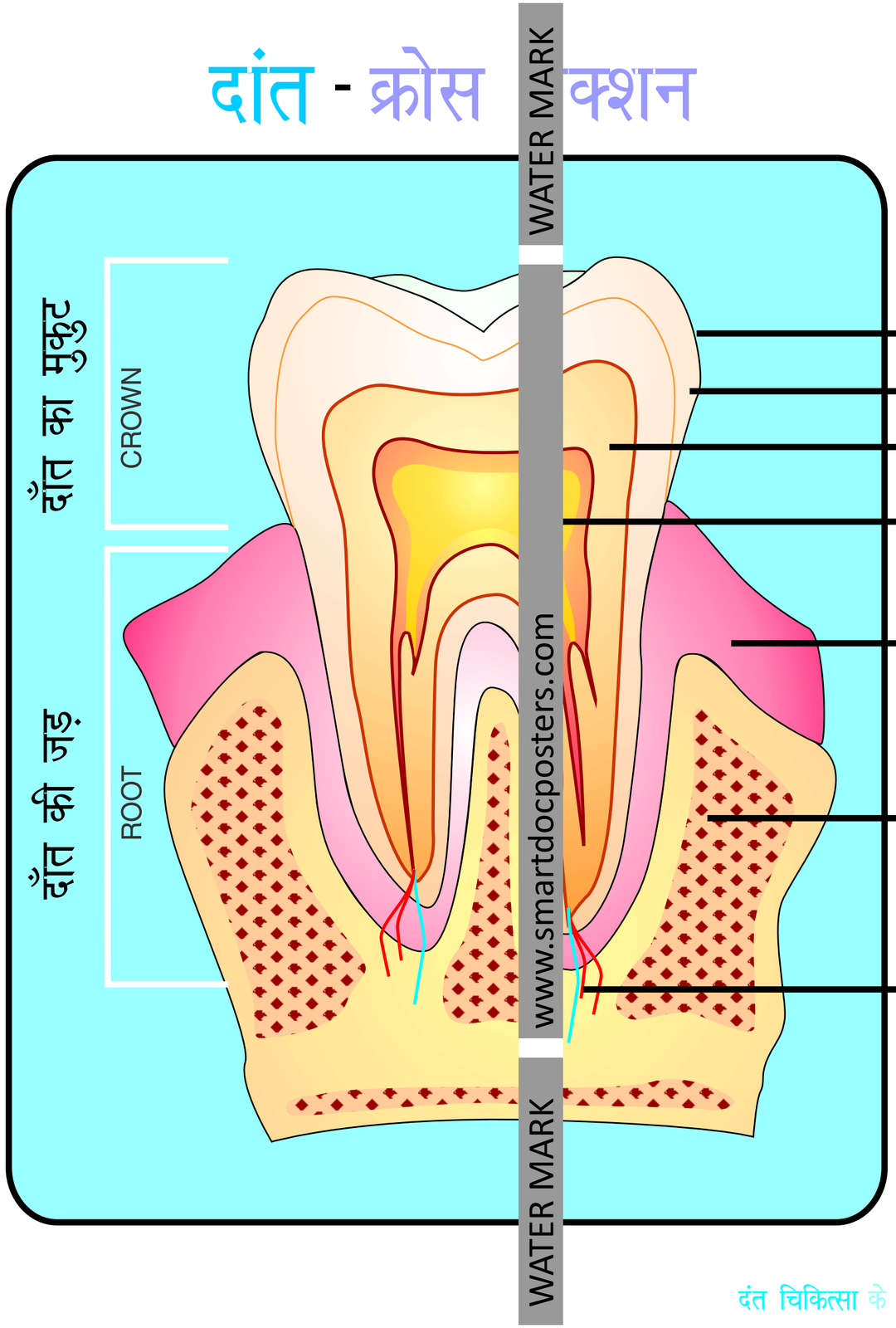

इनेमल Enamel

टेनढिंन Dentine

सिमेन्टम Cementum

पल्प Pulp

मसूड़ों
Gums

जबड़े की हड्डी
Alveolar
bone

रक्त वाहिकाओं और नसों
Blood vessels
& nerves

दांतों के प्रकार

ईनसैसर
INCISOR

प्रि मोलार
PRE MOLAR

क्नैय्न
CANINE

मोलार
MOLAR

जिस उम्र में सभी दांत बनते हैं

WATER MARK

उम्र

५ से १५ महीने

१५ से ३० महीने

६ साल

७ से १४ साल

१५ से २० साल

www.smartdocposters.com
WATER MARK

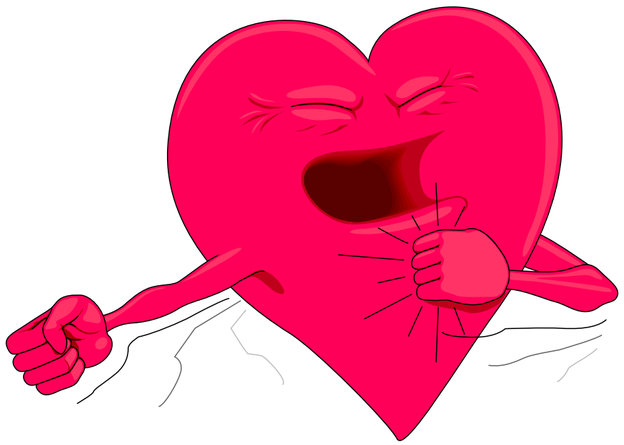

दाँतों की बिमारियों का इलाज न करने से दिल की बिमारी हो सकती है !!!

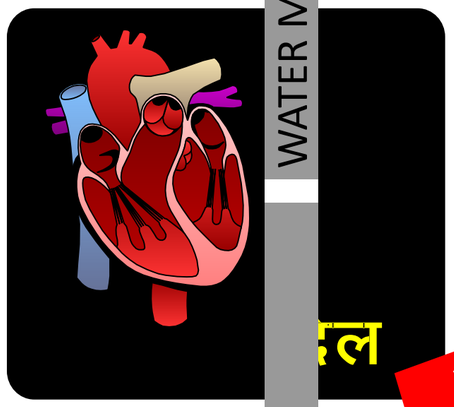

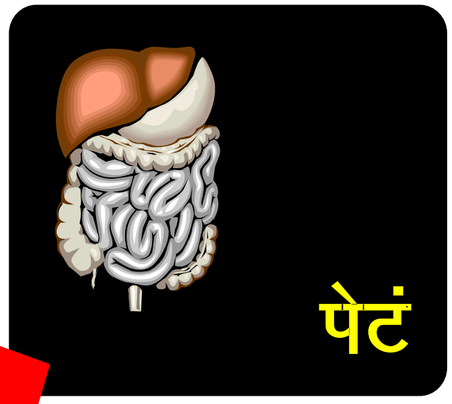

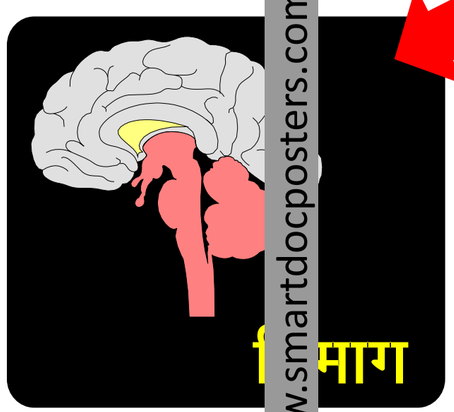

मूँह में होने वाले मसूड़ों की बीमारियाँ से बाक्टिरिया पूरे शरीर पर फैला जाता है।

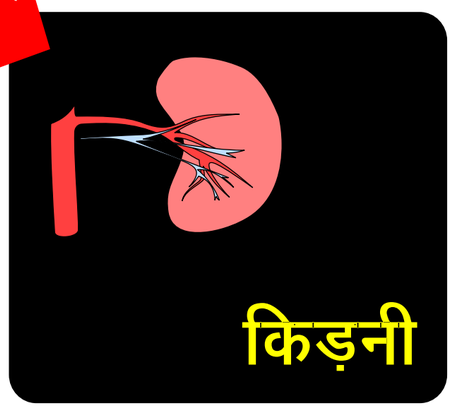

WATER MARK
www.smartdocposters.com
WATER MARK

गर्भ अवस्था और दाँतों का सुरक्षा

WATER MARK www.smartdocposters.com WATER MARK

१

दो महीने में कम से एक बार लगातार दंत जांच दंत चिकित्सक यह पत लगाएगा कि क्या कोई संक्रमण है जो भ्रूण के हानिकारक हो सकता और इसका इलाज क सकता है।

मुंह में संक्रमण, अगर अनुपचारित छोड़ दिया जाए, तो समय से पहले प्रसव हो सकता है।

२

अपने दांतों को रोजाना दो बार ब्रश करें। रात में सोने से पहले अपने दांतों को ब्रश करना न भूलें। इसके अलावा डेंटल फ्लहसिंग रोजाना करें।

३

कैलकुलस और टार्टर

कैलकुलस और टार्टर को हटाने के लिए दांत सफाई या स्केलिंग छह ने में एक बार की जानी चाहिए।

Pregnancy Gingivitis

गर्भावस्था में मसूड़े लाल और सूज हो जा सक्ता हैं । ब्रश करते समय खून बह जाता है। इसे गर्भावस्था गिंगिवाइटिस कहता है और इसके उपचार के लिए दंत चिकित्सक को देखना चाहिए।

Pregnancy Tumour

गर्भावस्था में मसूड़ों में दर्द रहित ट्यूमर विकसित हो जा सक्ता है। वे कैंसर नहीं हैं। बच्चे के जन्म के बाद ट्यूमर तुरंत गायब हो जाती है।

गर्भावस्था के समय अत्यधिक सावधानी के साथ दवाएं का उपयोग करें। कुछ दवाएं भ्रूण को नुकसान पहुंचा सकती हैं और कुछ आपके पैदा हुए बच्चों के दांतों को धुंधला कर देती हैं।

बिना डाक्टर के पर्चे के दवाई खाना बेहद खतरनाक है।

दवा खाते समय

ध्यान रखने की कुछ बातें

यं इलाज करना विपत है।
डाक्टर के ादेश के बिना दवा लेना और देना ठीक नहीं है।

दवा खरीदने के द यह देखना है कि ये दवायें डाक्टर से लिखी हुई है।

किसी दवा खाने से होनेवाली खूजली,
स ली से शरीर में होने वाले लाल चिह्न,
साँस लेने में बाधा,
सिर का चक्कर,
पेट में होन् वाली जलन,
और किसी न सी प्रकार का बाधा होने से दवा खाना खतम करकें
जल्दी से जल्दी डाक्टर से मिलना।

दवा खाते समय राब पीना, धूम्रपात, आदि बूरी आदतें खतम करना।
इनके पयोग से दवा के सद्भाव की कमी होगी।

WATER MARK
www.smartdocposters.com
WATER MARK

दाँतों का एक्सरे क्यूँ लेना पड़ता है ?

कब एक्सरे लेना पड़ता है

१ रूट कैनाल फिलिंग में दांतों की जड़ को देखने के लिए

२ दांत निकालने से पहले दांतों की जड़ को देखने के लिए

३ मसूड़ों की बीमारी में यह देखने के लिए कि हड्डी का कोई नुकसान तो नहीं

४ दांतों पर फिलिंग करने समय दांतों की जड़ को देखने के लिए

५ आर्थोडोंटिक इलाज में दांतों की जड़ को देखने के लिए ओ.पि. जि. एक्सरे जरुरत है

डेंटल ओ पी जी की आवश्यकता

दंत रोगों को पूरी तरह से समझने के लिए बड़े दंत एक्स-रे की आवश्यकता होती है। इसे ओ। पी। जी। एक्स-रे कहते है।

ओ। पी। जी। एक्स-रे मशीन।

ओ। पी। जी। एक्स-रे

ओ। पी। जी। दांत, जबड़े और टेम्परो मैंडिबुलर जोड़ों का सही दृष्टिकोण देता है।

ओ।पी।जी।एक्स-रे किन स्थितियों में लेने की आवश्यकता है?

1 बच्चों में दांत विकास पैटर्न के बारे में जानने के लिए।

2 दांतों का इम्पाक्शण में उसे हटाने के लिए।

3 मसूड़ों की बीमारी के कारण हड्डी के नुकसान के बारे में पता लगाने के लिए।

4 एकाधिक रूट कैनाल चिकित्सा के लिए।

5 डेन्टल इमप्लान्ट लगाने के लिए।

6 आर्थोडोंटिक इलाज में दांतों की जड़ को देखने के लिए ओ.पि. जि. एक्सरे जरुरत है

7 जबड़े के फ्रैक्चर के बारे में पता लगाने के लिए।

WATER MARK www.smartdocposters.com WATER MARK

स्वस्थ दांतो के लिए :

१ ब्रश करना

- दिन में दो बार ब्रश अवश्य ें
- सोने से पहले ब्रश करना लें
- अपना ब्रश हर २ महीने में ले

२ स्केलिंग

इलाज के पहलॆ

इलाज के बाद

हर ६ महीने साल के अंदर अपने द चिकित्सक से नल टूथ क्लीनिंग (ंग) अवश्य करवा

३ भोजन के बीच में स्नैक्स में मीठा अथवा चिपचिपा ख न खाएं

४ हर ६ महीने में एक बार अपने दांतो की जाँच ज़रूर ायें

WATER MARK
www.smartdocposters.com
WATER MARK

दन्त चिकित्सक से कब मिलें

१ दर्दनाक दांत हो तो
२ मसूड़ों से खून बहे तो
३ दाँतो का हिलना
४ मुँह से दुर्गंध
५ दाँतों में खाना फंस जाता हो
६ दाँतो के रंग में बदलाव हो तो
७ दांतो के बीच की जगह में समस्या
८ दांत बराबर न हो तो
९ ज़्यादा ठंडा या गरम खाने-पीने पर दांतो में झनझनाहट (सेंसिटिविटी) होने पर

हर ६ महीने में एक बार अपने दांतो की जाँच ज़रूर करवायें

दाँतो की चिकित्सा में होने वाले गलत विचारों को दूर करना।

१ दांत उखाडने से कभी भी आखों को या सिर को कोई बाधा नहीं होती

२ अल्ट्रा **सोनिक मशीन** की सफाई से कभी भी दांतो को कोई नुकसान नहीं होता A यह गलत धारणा है।

३ **दाँतों को साफ करने d cln होने वाली** झनझनाहट (सेंसिटिविटी) स्वयं दूर होगी।

४ दांतो को ब्रश करने से ही दांत रोग रोक नहीं जा सकते ।
हर छः महीने में एक बार अपने दन्त चिकित्सक से चेकअप के लिए अवश्य मिलिए और साल में एक बार अपने दांतो की सफाई करवाइए।

खूबसूरत मुस्कान यहां बनाई जाती है

WATER MARK
www.smartdocposters.com
WATER MARK

९० प्रतिशत मुंह के कैंसर सिगरेट, बीड़ी,पान मसाला, गुटखा आदि के उपयोग के कारण होते हैं।

धूम्रपान जानलेवा है

मुंह के कैंसर के कुछ शुरुआती लक्षण

- मुंह में घाव जो ठीक नहीं होता है।
- मुंह में लाल या सफेद पैच।
- होंठ या मसूड़ों की सूजन।
- बोलते समय आवाज में बदलाव।
- बार-बार रक्तस्राव, दर्द या सुन्नता।
- जीभ को चबाने या हिलाने में कठिनाई।
- गले में खराश की सूजन जो लगातार होती है।

WATER MARK
www.smartdocposters.com
WATER MARK

गरेट पीना ोड़ दें

न मसाला, गुटखा ादि के उपयोग न रें

मुंह के रोग जो कैंसर में बदल सकते हैं

Leukoplakia श्वेतशल्कत

Lichen Planus लाइकेन प्लानस

Reve Smoker's Palate

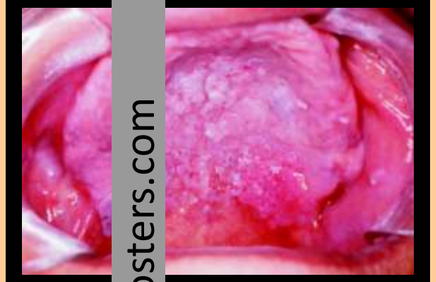

धूम्रपा करने वाले का तालू

Oral Submucous Fibrosis

सबम्यूकोस फाइब्रोसिस

Chronic Traumatic Ulcer पुरानी दर्दनाक अल्सर

WATER MARK www.smartdocposters.com WATER MARK

डेन्टल अपाइंटमेंट न भूलें

डेन्टल अपोइन्मेन्ट भुल जाने से, दूसरे रोगियों को तकलीफ ह
सकता है । और आपके इलाज के लेन को बदल सकता है।

ओरतडोणिक इलाज जैसे दाँतों के इलाज वक्त पर अधारिद्य है
इसलिए अपने डेन्टल अपोइन्मेन्ड भुलने से इलाज में फरक हो
सकता है।

WATER MARK
www.smartdocposters.com
WATER MARK

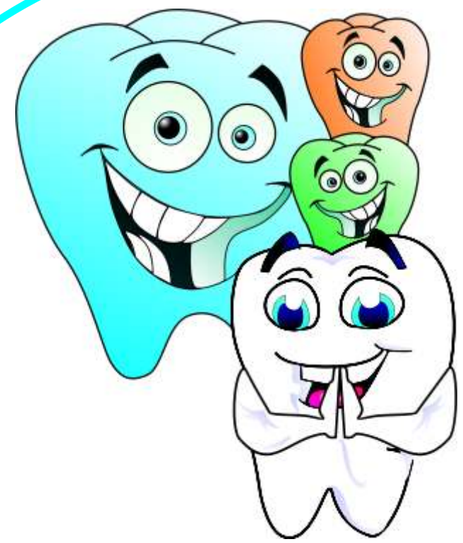

हम समझते हैं कि आपका समय कीमती है
हम आपको जल्द से जल्द दंत चिकित्सा देने की
कोशिश करेंगे

प्रतीक्षा करने के लिए धन्यवाद

स्वस्थ दांत,
सुखी जीवन।

WATER MARK
www.smartdocposters.com
WATER MARK

हर ६ महीने में एक बार
अपने दांतो की जाँच ज़रूर करवायें

दंत चिकित्सा के बारे म एकें जानकारी गाइड

YOUR CLINIC DETAILS WILL BE PRINTED HERE